महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान
(मध्यप्रदेश शासन, स्कूल शिक्षा विभाग का उपक्रम)
आर – 24,जोन –1 एम.पी.नगर भोपाल (मध्यप्रदेश)–462003
फोन नं.– 0755–2576209
ई–मेल maharshipatanjali2014@gmail.com
वेबसाइट www.mpssbhopal.org

क्रं./म.प.सं.सं./सामान्य/2021/1175 भोपाल, दिनांक 19/07/2021

प्रति,

1. समस्त प्राचार्य
   शासकीय/अशासकीय/परम्परागत संस्कृत विधालय म.प्र.
2. समस्त खगोलीय क्लब प्रभारी, म.प्र.
3. समस्त जिला खगोलीय प्रभारी म.प्र.

विषयः– ऑनलाइन खगोल विज्ञान कार्यशाला में सहभागिता करने विषयक।

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान म.प्र. के तत्वावधान में शा.जीवाजी वेधशाला उज्जैन द्वारा खगोल विज्ञान में पंचदिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन दिनांक 26.07.2021 से 30.07.2021 तक किया जाना है। उक्त कार्यशाला खगोल विज्ञान की अवधारणागत समझ एवं खगोलीय जिज्ञासाओं के समाधान के लिए अत्यन्त उपयोगी है। अतः आपको कार्यशाला में विद्यार्थियों सहित सहभागिता करना है। कार्यशाला का समय दोपहर 12.30 बजे से 1.30 बजे तक रहेगा। समस्त प्रतिभागी 10 मिनट पूर्व लिंक से अनिवार्य रुप से जुडे। कार्यशाला की लिंक दिनांक 26.07.2021 को खगोलीय क्लब, जिला खगोलीय क्लब प्रभारी एवं संस्थान के संस्कृत विद्यालय के वाट्सएप समूह पर भेजी जाएगी।

कार्यशाला का विस्तृत विवरण पत्र के साथ संलग्न है। किसी भी असुविधा के लिए अधीक्षक शा.जीवाजी वेधशाला उज्जैन के मोबाइल नम्बर 9407130368 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

संलग्न – कार्यशाला का विस्तृत विवरण।

(प्रभातराज तिवारी)
निदेशक
महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान भोपाल

क्रमांक/म.प.सं.स/सामान्य/2021/1176 भोपाल, दिनांक 19/07/2021

प्रतिलिपिः–

1. निज सहायक, माननीय चेयरमैन महोदय, महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान म.प्र. की ओर सूचनार्थ।
2. प्राचार्य गार्गी विद्यालय आप कार्यशाला की लिंक समस्त शास./अशास./परम्परागत संस्कृत विद्यालयों के वाट्सएप ग्रुप में शेयर करें तथा अपने विद्यालय की छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित करें।
3. श्रीमती नमिता श्रीवास्तव आईटी सेल की ओर ऑनलाइन प्रशिक्षण की आवश्यक कार्रवाई हेतु। (लिंक हेतु)
4. अधीक्षक शा. जीवाजी वेधशाला उज्जैन ऑनलाइन कार्यशाला के अकादमिक पक्ष की व्यवस्था हेतु

निदेशक
महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान भोपाल

कार्यालय शासकीय जीवाजी वेधशाला,उज्जैन (म.प्र.)

दूरभाष-(0734)2557351, ई-मेलः segjivobsujj@mp.gov.in

वेबसाइटः www.jiwajiobservatory.org

ग्रीष्म कालीन ऑनलाईन पंच दिवसीय खगोलीय कार्यशाला

अवधि : दिनांक - 26 से 30 जुलाई 2021

समय - दोपहर 12:30 से 01:30 तक

विषय -

प्रथम दिवस :- देश का गौरव - वेधशाला उज्जैन	दिनांक - 26 जुलाई 2021
द्वितीय दिवस :- शून्य छाया दिवस	दिनांक - 27 जुलाई 2021
तृतीय दिवस :- ग्रहण तथा पारगमन	दिनांक - 28 जुलाई 2021
चतुर्थ दिवस :- तारामण्डल	दिनांक - 29 जुलाई 2021
पंचम दिवस :- भारतीय काल गणना	दिनांक - 30 जुलाई 2021

कार्यालय शासकीय जीवाजी वेधशाला,उज्जैन (म.प्र.)

दूरभाष-(0734)2557351, ई-मेलः segjivobsujj@mp.gov.in

वेबसाइटः www.jiwajiobservatory.org

पंच दिवसीय खगोलीय कार्यशाला

प्रस्तावना :-

आकाश हमें सदा से आकर्षित करता रहा है। टिमटिमाते तारे हमारी जिज्ञासा बढाते रहे हैं। मानव सभ्यता के विकास से आज तक आकाशीय (खगोलीय) घटनाऐं हमारे लिए जिज्ञासा, आकार्षण, भय, शोध आदि का विषय रहा है। खगोलीय घटनाओं की वैज्ञानिक आधार पर तर्क पूर्ण समझ न होने के कारण भ्रम की स्थिति रहती है। इसी भ्रम को दूर कर तार्किक रूप से स्पष्ट समझ निर्माण हेतु इस कार्यशाला की कल्पना की गई है। वास्तव में खगोलीय अवधारणाओं की समझ हेतु हमें प्रायोगिक रूप से सतत् अध्ययन, आकाशीय अवलोकन तथा गणना का स्पष्ट ज्ञान अत्यन्त आवश्यक है।

हमारे द्वारा इस कार्यशाला के माध्यम से प्राचीन खगोलीय ज्ञान एवं समझ को वर्तमान परिपेक्ष में प्रस्तुत करने का प्रयास किया जाना है। जिससे हमारे भ्रम दूर हों तथा तार्किक समझ का विस्तार हो। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए प्राचीन वेधशालाऐं, ग्रहण, पारगमन, तारों की स्थिति, राशियों, नक्षत्रों, प्रमुख तारा समूहों, समय की अवधारणा, सूर्य की स्थिति की समझ, भारतीय काल गणना, तिथि, सप्ताह, माह, वर्ष, युग आदि बिन्दुओं को समाहित करते हुए प्राचीन यंत्रों, कार्यशील मॉडल, चित्रों आदि के द्वारा स्पष्ट समझ बनाने का प्रयास किया जाऐगा। कार्यशाला में व्यवहारिक पक्ष को अधिक महत्व दिया जाऐगा। हमें आशा है कि इस कार्यशाला के माध्यम से आप अपने खगोलीय ज्ञान को और अधिक परमार्जित व परिपक्व बनाऐंगे।

उद्देश्य :-

1. खगोलीय अवधाराणाओं की तार्किक समझ विकसित करना।
2. खगोलीय भ्रम को दूर करना।
3. प्रायोगिक आधार पर अवलोकन आधारित समझ बढाना।
4. खगोलीय जिज्ञासाओं के समाधान की समझ विकसित करना।
5. भारतीय कालगणना की वैज्ञानिकता की समझ विकसित करना।

6. आकाशीय अवलोकन के प्रति जागरूकता।

7. ग्रहण, पारगमन आदि खगोलीय घटनाओं की तार्किक समझ।

8. दैनिक उपयोग की कालगणना की अवधारणागत समझ।

प्रथम दिवस -

विषय : भारत का गौरव-वेधशाला उज्जैन

- वेधशाला उज्जैन का ऐतिहासिक एवं पौराणिक महत्व
- वेधशालाओं का इतिहास
- वेधशाला उज्जैन के प्राचीन यंत्र -:

  शंकु यंत्र, सम्राट यंत्र, नाडीवलय यंत्र, दिगंश यंत्र एवं भित्ति यंत्र की कार्य प्रणाली

आधुनिक संसाधन :

- टेलिस्कोप
- सीशो.डी.
- कार्यशील मॉडल
- तारामंडल
- नक्षत्र वाटिका
- मौसम यंत्र

अकादमिक कार्य

- विघ्यार्थियों का वेधशाला अवलोकन
- खगोलीय क्लब का गठन
- जिला खगोलीय समूह का गठन
- विभिन्न संस्थाओं में खगोलीय व्याख्यान
- खगोलीय प्रदर्शिनी
- खगोलीय शिविर

पुस्तकालय - प्राचीन दुर्लभ खगोलीय ग्रंथों से समृद्ध पुस्तकालय

प्रकाशन :

- पचांग, कैलेण्डर, आकाश अवलोकन मार्गदर्शिका

मीडिया - इलेक्ट्रानिक एवं प्रिन्ट मीडिया पर खगोलीय घटनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार

प्रस्तावित कार्य योजना

- ओपन थिएटर
- ज्योतिर्विज्ञान में डिप्लोमा

द्वितीय दिवस -

विषय : शून्य छाया दिवस :-

- शून्य छाया की स्थिति
- अक्षांश एवं देशान्तर रेखाऐं
- देशान्तर रेखाओं की स्थिति
- समय गणना में देशान्तर रेखाओं का महत्व
- GMT,IST,UTC टाईम झोन तथा स्थानीय समय की अवधारणा
- दिशा के अनुसार दिन परिवर्तन की समझ
- दिनांक प्रारम्भ की समझ
- अक्षांश रेखाऐं
- शुन्य अक्षांश रेखा, कर्क रेखा व मकर रेखा की समझ
- रेखाओं पर सूर्य की स्थिति की समझ
- उत्तरायण व दक्षिणायन की समझ
- शंकु यंत्र से सूर्य की स्थिति की समझ
- विश्व मानचित्र पर रेखाओं की स्थिति
- शून्य छाया देखने की स्थिति
- कर्क रेखा पर स्थिति विश्व के देश
- कर्क रेखा पर स्थिति भारत वर्ष के राज्य व जिले
- मके कर्क रेखा पर स्थित जिले .प्र.
- शून्य छाया दिवस एवं मध्यान्ह ही जानकारी
- सूर्य की क्रान्ति की जानकारी
- भारतीय मानक समय से स्थानीय समय ज्ञात करना
- शंकु यंत्र का निर्माण
- शून्य छाया दिवस हेतु मोबाईल एवं की जानकारी

तृतीय दिवस -

विषय : ग्रहण एवं पारगमन :-

ग्रहण :

- ग्रहण क्या ?
- ग्रहण के प्रकार
- राहू केतु की अवधारणा
- कार्यशील मॉडल से ग्रहण की स्थिति की समझ
- सूर्य ग्रहण देखने के तरीके
- वर्ष के ग्रहण 2021

पारगमन :

- पारगमन की स्थिति
- पारगमन के ग्रह
- पारगमन कब कब-
- ग्रहण एवं पारगमन में अन्तर

चतुर्थ दिवस -

विषय : तारामण्डल :-

आकाशीय स्थिति :

- तारों की दिशा तथा काल का ज्ञान
- आकाश गंगा
- आकाश में तारों से मिलकर बनी आकृतियां
- क्रान्ति वृत्त
- बंसन्त एवं शरद संम्पात
- पृथ्वी का परिभ्रमण

राशि चक्र :

- राशियों के नाम
- राशि चक्र
- राशियों के आकार
- आकाश में राशियों की स्थिति

नक्षत्र चक्र :

- नक्षत्रों के नाम
- नक्षत्र चक्र
- नक्षत्रों के चरण
- नक्षत्रों के आकार
- आकाश में नक्षत्रों की स्थिति

राशि नक्षत्र संबंध :

- चरण के अनुसार राशियों एवं नक्षत्रों का संबंध

प्रमुख तारामण्डल :

- कालपुरूष
- सप्त ऋषि
- व्याध

नक्षत्र वाटिका :

- राशियों एवं नक्षत्र की स्थिति की समझ

स्टार ग्लोब :

- क्रान्ति वृत्त
- क्रन्ति वृत्त में राशियों तथा नक्षत्रों की स्थिति
- उत्तरी एवं दक्षिणी गोलार्द्ध के प्रमुख तारामण्डल

पंचम दिवस -

विषय : भारतीय काल गणना :-

- काल की अवधारणा
- काल गणना की समझ
- चन्द्रमा की गति
- अमावस्या, पूर्णिमा, हिन्दी तिथि, क्षयतिथि की समझ
- सप्ताह की अवधारणा
- पृथ्वी की गति की समझ
- मासके नामकरण की समझ (माह)
- मास, अधिक मास, क्षयमास की अवधारणा
- वर्ष की अवधारणा
- युग की समझ
- ब्रह्मा की आयु
- काल की अनन्त यात्रा

विषय विशेषज्ञ :

डॉ. राजेन्द्र प्रकाश गुप्त, अधीक्षक, शा.जीवाजी वेधशाला उज्जैन

डॉ. गिरवर प्रसाद शर्मा, शा.जीवाजी वेधशाला उज्जैन

श्री दीपक गुप्ता, शा.जीवाजी वेधशाला उज्जैन

श्री संजय अन्वेकर, शा.जीवाजी वेधशाला उज्जैन

अधीक्षक
शा.जीवाजी वेधशाला उज्जैन